

## Inhalt

|                       |                                                              |     |
|-----------------------|--------------------------------------------------------------|-----|
| <b>1. Einleitung:</b> | Lieber <i>dieses</i> als <i>jenes</i> .....                  | 9   |
| <b>2. Proportion</b>  | .....                                                        | 23  |
| 2.1                   | Alles ist aus Zahl .....                                     | 25  |
| 2.2                   | Die Wahrheit in der Mitte .....                              | 38  |
| 2.3                   | Verlässliche <i>Elemente</i> .....                           | 47  |
| 2.4                   | Zurück zur Natur .....                                       | 51  |
| 2.5                   | Maß und Ebenmaß .....                                        | 56  |
| 2.6                   | Nicht Maß, sondern Stil .....                                | 64  |
| <b>3. Schnitt</b>     | .....                                                        | 71  |
| 3.1                   | Die Geburt des goldenen Schnitts .....                       | 73  |
| 3.2                   | Die Schrift <i>Divina Proportione</i> von Luca Pacioli ..... | 79  |
| 3.3                   | Leonardo von Pisa und die mathematischen Kaninchen .....     | 95  |
| <b>4. Kosmos</b>      | .....                                                        | 105 |
| 4.1                   | Das Dodekaeder in Platons Kosmogonie .....                   | 107 |
| 4.2                   | Plutarchs Irrtum .....                                       | 118 |
| 4.3                   | Der <i>Timaios</i> als Kommentar zur Genesis .....           | 128 |
| <b>5. Natur</b>       | .....                                                        | 141 |
| 5.1                   | Immer eins und fast nichts .....                             | 143 |
| 5.2                   | Nabelschau von Kopf bis Fuß .....                            | 154 |
| 5.3                   | Natürliche Verhältnisse .....                                | 172 |
| 5.4                   | Wie ein Blatt am Baum .....                                  | 184 |
| 5.5                   | <i>Natura formans</i> oder <i>forma naturans</i> ? .....     | 195 |
| <b>6. Perzeption</b>  | .....                                                        | 211 |
| 6.1                   | Ästhetik von unten .....                                     | 213 |
| 6.2                   | In Fechners Spuren .....                                     | 227 |
| 6.3                   | Artifizielle Ästhetik .....                                  | 242 |

|           |                                                             |     |
|-----------|-------------------------------------------------------------|-----|
| 6.4       | Die Kodierung der Schönheit .....                           | 256 |
| 6.5       | Der Tod einer Hypothese .....                               | 264 |
| 6.6       | Die kognitive Auferstehung .....                            | 274 |
| <b>7.</b> | <b>Harmonie</b> .....                                       | 281 |
| 7.1       | Renaissance versus Romantik .....                           | 283 |
| 7.2       | Eine irrationale Symphonie .....                            | 287 |
| 7.3       | Einheit in Verschiedenheit .....                            | 296 |
| 7.4       | Die Einheit von Einheit und Zweiheit .....                  | 306 |
| 7.5       | Zwischen Anmut und Würde .....                              | 316 |
| 7.6       | Zurück zu Pythagoras .....                                  | 325 |
|           | <b>Anhänge</b> .....                                        | 333 |
|           | Anhang 1: Teilung im äußeren und mittleren Verhältnis ..... | 335 |
|           | Anhang 2: Goldene Figuren .....                             | 340 |
|           | Anhang 3: Die Fibonacci-Folge .....                         | 350 |
|           | Anhang 4: Corpora ad lectorem .....                         | 353 |
|           | Bibliographie .....                                         | 355 |
|           | Personenregister .....                                      | 373 |
|           | Sachregister .....                                          | 379 |